RAS MAINS TEST SERIES 2018

PAPER –II GENERAL KNOWLEDGE AND GENERAL STUDIES

Unit-II - **MANAGEMENT**

नोटः सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर 15-15 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक निर्धारित है।

1. अभिमुखन प्रशिक्षण व आगमन प्रशिक्षण में अन्तर स्पष्ट करें ?

उत्तरः– अभिमुखन प्रशिक्षण में नये कार्मिक को संगठन से परिचित करवाया जाता है जबकि आगमन प्रशिक्षण में नये कार्मिक को कार्य से संबंधित आधारभूत विषयवस्तु, कार्य विधियों व नियमों से परिचय करवाया जाता है।

2. सिंडीकेट/अभिषद प्रशिक्षण से क्या अभिप्राय हैं ?

उत्तरः– इस पद्धति में प्रशिक्षुओं को छोटे दलों में विभाजित कर अध्ययन परियोजना दी जाती है, प्रशिक्षण के मार्गदर्शन में विषयवस्तु का गहन अध्ययन व तर्क-वितर्क के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाता है।

3. आदर्श पूंजी संरचना की क्या विशेषताएँ हैं ?

उत्तरः–

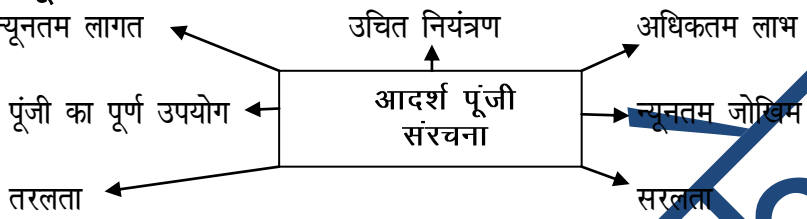

4. 360° मूल्यांकन को समझाइये ?

उत्तरः– 360° मूल्यांकन प्रक्रिया में किसी कार्मिक का मूल्यांकन उसके वरिष्ठ, सहकर्मी, अधीनस्थ व स्वयं कार्मिक द्वारा करवाया जाता है।

5. भर्ती व चयन में अन्तर कीजिए ?

उत्तरः–

भर्ती	चयन
१. आवेदकों को आवेदन के लिए आकर्षित करने की प्रक्रिया २. सकारात्मक (अधिकाधिक आवेदको की वांछनीयता) ३. उदाहरण – विज्ञापन	१. आवेदकों में से उपयुक्ततम आवेदक के चयन की प्रक्रिया २. नकारात्मक (प्रत्येक स्तर पर आवेदकों की संख्या कम की जाती है) ३. उदाहरण – साक्षात्कार

6. किसी संस्था में निष्पादन-मूल्यांकन की प्रक्रिया व महत्व बताइये ?

उत्तरः–

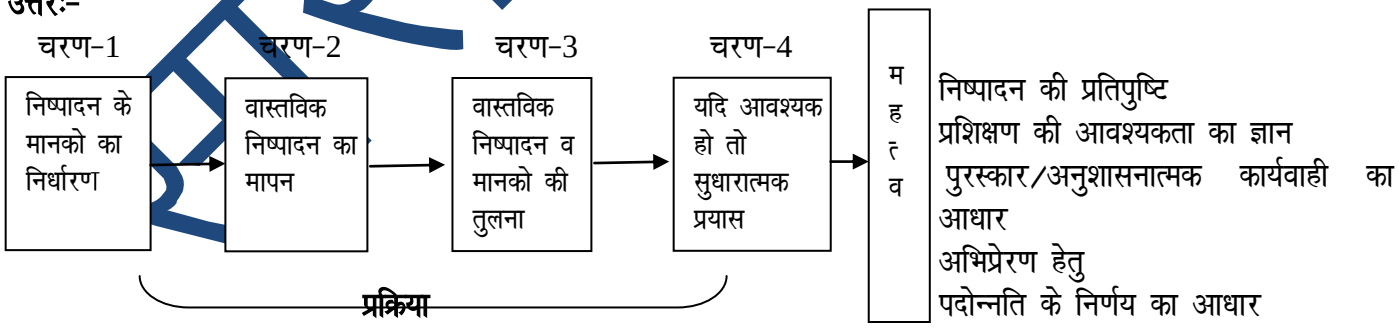

7. पूंजी संरचना को प्रभावित करने वाले कारको को सूचीबद्ध कीजिए ?

उत्तरः–

पूंजी संरचना

आंतरिक कारक	बाह्य कारक
1. व्यवसाय की प्रकृति	1. विनियोक्ताओं की प्रकृति
2. व्यवसाय का आकार	2. वित्तीय संस्थाओं की नीति (ऋण)

सारथि एकेडमी

3. संस्था का जीवन काल
4. व्यवसाय पर नियंत्रण की इच्छा
5. सम्पत्तियों की प्रकृति
6. परिचालन लाभ अनुपात
7. आय की नियमितता व निश्चितता

3. पूंजी बाजार की स्थिति
4. निगर्मन पर बाह्य लागत
5. सरकारी नियन्त्रण, नियमन
6. आयकर (लाभांशों पर छूट अथवा आयकर)

8. भर्ती में आंतरिक स्त्रोतों से क्या तात्पर्य है एवं आंतरिक स्त्रोतों से भर्ती के क्या लाभ अथवा हानियाँ हैं ?

उत्तरः- आंतरिक स्त्रोतों - संस्थान के भीतर से ही कार्मिकों के भर्ती की प्रक्रिया आंतरिक स्त्रोत से भर्ती कहलाती है। उदाहरणार्थ - कार्मिको का एक विभाग से दूसरे विभाग में स्थानान्तरण, कार्मिको की उच्च पद पर पदोन्नति, प्रशिक्षुओं की स्थायी नियुक्ति, सेवानिवृत कर्मचारियों की पुनः नियुक्ति व मृत कार्मिको पर निर्भर व्यक्तियों की नियुक्ति, आंतरिक स्त्रोत से भर्ती के अन्तर्गत आते है।

आतंरिक स्त्रोतों से भर्ती के लाभ

1. विज्ञापन संबंधी व्यय व लम्बी भर्ती प्रक्रिया के व्यय का बचाव
2. कार्मिक अभिप्रेरित व निष्ठावान बने रहते है।
3. प्रशिक्षण लागत न्यूनतम हो जाती है।
4. बाह्य स्त्रोतों की तुलना में इस प्रकार से चयनित कार्मिको की विश्वसनीयता अधिक
5. संस्था के वातावरण से कुसमायोजन होने के कारण छोड़ कर जाने की संभावना कम
6. भर्ती की तीव्र प्रक्रिया, अतः कार्यों में विलम्ब नहीं

आंतरिक स्त्रोतों से भर्ती की हानियाँ

1. संस्था में नये कार्मिको, नयी ऊर्जा, नयी रणनीतियों का आगमन नहीं ।
2. संस्थागत राजनीति व 'पसंदीदा' के चयन की संभावना ।
3. कार्मिको में अत्यधिक प्रतिस्पर्धा उत्पन्न हो सकती है।
4. अधिक दक्ष कार्मिक मिलने की संभावना बाह्य स्त्रोतों में अधिक ।
5. नये संगठनों में आंतरिक स्त्रोत से भर्ती उपयुक्त नहीं ।

सारथि एकेडमी